गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 173
दि. 22.10.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

SIMCARTEL ऑपरेशन: अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त, 5 करोड़ फर्जी अकाउंट्स और 40 हजार सिम कार्ड जब्त

(जीएनएस)। नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने SIMCARTEL ऑपरेशन के तहत लातविया में साइबर ठगों का एक विशाल नेटवर्क उजागर किया है, जिसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और करीब 40,000 सक्रिय सिम कार्ड जब्त किए गए। यह कार्रवाई लातविया पुलिस और यूरोपीय एजेंसियों की संयुक्त मुहिम का परिणाम है। जांच में सामने आया कि यह गिरोह लगभग 5 करोड़ फर्जी ऑनलाइन अकाउंट्स के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठगी, हैकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहा था।

ऑपरेशन के दौरान पकड़े गए आरोपी और जब्त सामानों में 5 सर्वर, 4 लग्जरी कारें, लगभग 4.3 लाख यूरो की बैंक रकम और 3.3 लाख अमेरिकी डॉलर की क्रिप्टो संपत्ति शामिल है। जांच से पता चला कि यह गिरोह यूरोप के हजारों नागरिकों को निशाना बना रहा था। केवल ऑस्ट्रिया में ही लगभग 4.5 मिलियन यूरो (लगभग 40 करोड़) की ठगी हुई, जबकि लातविया में नुकसान लगभग 4.2 लाख यूरो (लगभग 3.7 करोड़) का हुआ। अब तक ऑस्ट्रिया में 1,700 और लातविया में 1,500 साइबर फ्रॉड की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

विशेषज्ञों ने बताया कि यह गिरोह 80 से अधिक देशों के नाम पर रजिस्टर्ड फोन नंबर किराए पर उपलब्ध कराता था। इन नंबरों का इस्तेमाल अपराधी सोशल मीडिया, फर्जी वेबसाइट्स और बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर नकली अकाउंट बनाने के लिए करते थे, जिससे वे अपनी असली पहचान और लोकेशन छिपाकर ठगी करते थे।

ठगी के तरीके भी बेहद जटिल और व्यवस्थित थे। इसमें ऑनलाइन सेकंड हैंड मार्केट ठगी, व्हाट्सएप पर बेटे-बेटी बनकर मदद का झांसा देकर पैसे ऐंठना, निवेश (इन्वेस्टमेंट) फ्रॉड, फर्जी शॉपिंग साइट्स और बैंक वेबसाइट्स से धोखाधड़ी और नकली पुलिस अधिकारी बनाकर ठगी शामिल थे।

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह ने अपने आपको कानूनी सर्विस की तरह पेश किया था। उनकी पेशेवर वेबसाइटों के जरिए अपराधी हजारों सिम कार्ड किराए पर लेकर कहीं से भी नकली अकाउंट बना सकते थे। इस नेटवर्क का एक मुख्य सदस्य पहले से ही एस्टोनिया में आगजनी और जबरन वसूली के मामले में जांच के दायरे में था।

संपूर्ण ऑपरेशन में Europol और Eurojust ने निर्णायक भूमिका निभाई। ऑस्ट्रिया, एस्टोनिया, लातविया और फिनलैंड की एजेंसियों ने 26 जगहों पर छापेमारी की। Europol की टीम रीगा में मौजूद रही और फॉरेंसिक व तकनीकी सहायता प्रदान की। अपराधियों की वेबसाइटें gogetsms.com और apisim.com भी बंद कर दी गईं और अब उन पर पुलिस संदेश दिख रहा है।

यह कार्रवाई EMPACT (European Multidisciplinary Platform Against Criminal Threats) के तहत हुई। EMPACT यूरोपीय देशों को संगठित अपराध और अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी से निपटने में सहयोग देता है। जांच जारी है और एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के क्लाइंट कौन थे और क्या इसका इस्तेमाल भारत समेत अन्य देशों में साइबर अपराधों के लिए भी हुआ था।

इस बड़े खुलासे से यह स्पष्ट हुआ कि अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध में गिरोहों की तकनीकी और वित्तीय साजिशें कितनी व्यापक और जटिल हैं, और वैश्विक सहयोग के बिना इन्हें नियंत्रित करना लगभग असंभव है।

मुंबई पुलिस का निलंबित सब इंस्पेक्टर बना लुटेरा, 'एनकाउंटर कर दूंगा' कहकर करता था धमकी; सूरत में महिला से 2.25 लाख की लूट, गिरफ्तारी के बाद खुलने लगे राज

(जीएनएस)। सूरत। कभी कानून के रखवाले की वर्दी पहनने वाला अब खुद अपराध की दुनिया का खिलाड़ी बन गया। मुंबई पुलिस का निलंबित सब इंस्पेक्टर रंजीत कासले सूरत में एक लोन एजेंट महिला से 2.25 लाख रुपये और मोबाइल फोन लूटने के आरोप में गिरफ्तार हुआ है। जिस वर्दी की शपथ लेकर वह अपराधियों से जनता की रक्षा करने निकला था, उसी वर्दी के नाम पर उसने लोगों में आतंक फैला रखा था। सूरत शहर की पाल थाना पुलिस ने रंजीत कासले को गिरफ्तार कर लिया है, जो खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का वरिष्ठ अधिकारी बताकर लोगों को डराता और ठगता था। पुलिस के मुताबिक, उसने महिला एजेंट को पहले फोन कर किसी फर्जी जांच के नाम पर बुलाया और फिर धमकाया कि अगर पैसे नहीं दिए तो "एनकाउंटर में उड़ा दूंगा।" डर के माहौल में महिला ने उसे नकद रकम सौंप दी, लेकिन बाद में हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि कासले ने मुंबई और सूरत दोनों शहरों में कई लोगों को अपनी झूठी पहचान दिखाकर धमकाया और अवैध वसूली की। उसके पास से नकदी,

नकली पुलिस पहचान पत्र, और क्राइम ब्रांच के नाम पर बनाए गए फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सूरत पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ मुंबई के अलग-अलग थानों में सात आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं — जिनमें धोखाधड़ी, लूटपाट, मारपीट और धमकी जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। विभागीय जांच के बाद मुंबई पुलिस ने उसे निलंबित कर दिया था, लेकिन निलंबन के बाद भी उसने पुलिस की वर्दी और नाम का दुरुपयोग जारी रखा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रंजीत कासले ने अपने पुराने परिचय और पुलिस तंत्र की अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल अपराधों में किया। वह पहले लोगों को यह विश्वास दिलाता था कि वह उच्च स्तरीय जांच में शामिल है और फिर डराकर पैसे ऐंठता था। कई बार वह खुद को "स्पेशल टीम का सदस्य" बताकर मोबाइल लोकेशन ट्रैक करने या गिरफ्तारी की धमकी देता था। पाल थाना पुलिस ने तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की गतिविधियों को ट्रेस किया। आरोपी मुंबई में छिपा हुआ था, लेकिन टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उसे घेराबंदी में लेकर गिरफ्तार किया। अब उसे सूरत लाकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान और भी मामलों के खुलासे की संभावना है। शक है कि कासले ने कुछ स्थानीय अपराधियों या भ्रष्ट पुलिसकर्मियों से मिलकर कई वारदातें की हों। इस दिशा में पूछताछ तेज़ कर दी गई है।

सूरत पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लूट, धमकी, धोखाधड़ी और सार्वजनिक पद के दुरुपयोग की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि इस तरह वर्दी के नाम पर लोगों को ठगने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

यह मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो जनता की सुरक्षा किसके भरोसे रहेगी? रंजीत कासले की गिरफ्तारी ने न सिर्फ पुलिस व्यवस्था की साख पर चोट की है, बल्कि यह भी दिखाया है कि अपराध अब वर्दी के भीतर भी छिपा हो सकता है।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उसके नेटवर्क और पुराने मामलों की पूरी परतें खुल जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार: पति को पत्नी का सामान लौटाने का 24 घंटे का अल्टीमेटम

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारतीय न्याय व्यवस्था ने हाल ही में एक ऐसे मामले में सख्त रुख अपनाया है जिसने वैवाहिक विवादों में इंसानियत और मानवीय मर्यादा को प्रमुखता दी। यह मामला एक पति और पत्नी के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव और अलगाव से जुड़ा है। अदालत ने इस मामले में न केवल कानूनी आदेश दिए बल्कि पति-पत्नी के रिश्तों में न्यूनतम मर्यादा बनाए रखने का मानवीय संदेश भी दिया।

इस विवाद की शुरुआत 2016 में हुई थी, जब यह दंपती विवाह बंधन में बंधा। शुरू में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ वर्षों के बाद रिश्तों में तनाव बढ़ने लगा। 2022 में पत्नी अपने नाबालिग बेटे के साथ घर छोड़कर अलग रहने लगी। पति बीमा कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि पत्नी बैंक में नौकरी करती हैं। समय के साथ, यह वैवाहिक विवाद कानूनी लड़ाई में बदल गया और इस बीच बेटा सबसे अधिक प्रभावित होने लगा।

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक पति को आदेश दिया कि वह अपनी अलग रह रही पत्नी का सारा सामान, कपड़े और निजी वस्तुएं 24 घंटे के भीतर लौटाए। अदालत ने टिप्पणी की कि यह अत्यंत घृणित है कि

पति ने 2022 से अब तक पत्नी को उसके निजी सामान तक लेने की अनुमति नहीं दी। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि भले ही रिश्ते टूट चुके हों, इसका यह मतलब नहीं कि पति अपनी पत्नी की गरिमा और अधिकारों की अवहेलना कर सकता है।

इस आदेश के पीछे एक संवेदनशील घटना भी थी। पति ने अदालत से गुहार लगाई कि उसका बेटा दिवाली के दिन घर आकर परिवार के साथ पूजा कर सके। पत्नी ने इस पर कड़ा विरोध किया। अदालत ने कहा कि बेटा माता-पिता दोनों के साथ पास के मंदिर में जाकर पूजा कर सकता है, और यदि दादा-दादी चाहें तो वे भी शामिल हो सकते हैं। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि बच्चों के हित को हमेशा सर्वोपरि रखा जाना चाहिए, भले ही माता-पिता के बीच मतभेद हों।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह संदेश भी दिया कि रिश्ते टूट सकते हैं, लेकिन मानवीय मर्यादा और न्यूनतम सम्मान हमेशा बनाए रखना चाहिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट कहा कि पति को कम से कम पत्नी के प्रति इंसानियत और सम्मान दिखाना चाहिए और उसका सामान तुरंत लौटाना चाहिए। यह कानून का आदेश नहीं, बल्कि इंसानियत और नैतिकता का सवाल है।

इस मामले ने समाज और परिवार के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण संदेश दिया। अक्सर वैवाहिक विवादों में पति-पत्नी के बीच मानसिक तनाव बढ़ जाता है और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि बच्चों की भलाई के लिए माता-पिता को व्यक्तिगत मतभेदों को दरकिनार करना चाहिए और कम से कम संवेदनशीलता और सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए।

अदालत का यह फैसला न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि समाज में एक मानवीय चेतना और नैतिकता का उदाहरण भी है। यह याद दिलाता है कि किसी भी विवाद में कानून के साथ-साथ इंसानियत, सम्मान और बच्चों के हित को हमेशा सर्वोपरि रखना चाहिए। यह मामला उन लोगों के लिए चेतावनी है जो व्यक्तिगत झगड़ों में दूसरों के अधिकारों की अनदेखी करते हैं।

यदि आप चाहें, तो मैं इसे और भी सजीव कहानी की तरह विस्तार से लिख सकता हूँ, जिसमें अदालत की सुनवाई, पति-पत्नी के विचार, और बच्चे की भावनाओं को शामिल कर पूरा घटनाक्रम जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाए।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार: केंद्र ने राज्यों को कार्रवाई की रिपोर्ट देने का आदेश

(जीएनएस)। नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन (JJM) के तहत भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर सख्त कदम उठाते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे उन ठेकेदारों और थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों का पूरा विवरण साझा करें, जिन पर जुर्माना लगाया गया या कार्रवाई की गई है। यह आदेश जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) के तहत जारी किया गया है और इसमें मुख्य सचिवों से विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। ूत्रों के अनुसार, केंद्र ने स्पष्ट किया है कि जिन ठेकेदारों और निरीक्षण एजेंसियों के खिलाफ जुर्माना लगाया गया है या उन्हें ब्लैक लिस्ट में डाला गया है, उनके नाम की सूची तैयार की जाए। इसके अलावा, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग

(PHED) के अधिकारियों के खिलाफ घटिया काम, धन के दुरुपयोग या कार्यान्वयन में अनियमितताओं के मामले में की गई कार्रवाई की भी जानकारी मांगी गई है। इसमें निलंबन, निष्कासन और प्राथमिकी दर्ज करने जैसी कार्रवाइयां शामिल हैं।

केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक मामले का एक पृष्ठ का सारांश उपलब्ध कराएं, जिसमें प्राथमिकी दर्ज की गई हो। इसके साथ ही, परियोजनाओं में दोहरी प्रविष्टि, देरी, कार्यान्वयन न होना या जरूरत से ज्यादा डिजाइनिंग जैसी समस्याओं की जांच के लिए 'ग्राउंड ट्रुथिंग' के माध्यम से डेटा की समीक्षा करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम मिशन की शीर्ष स्तरीय समीक्षा के बाद उठाया गया, जिसमें योजना की समयसीमा 2028 तक बढ़ाने पर भी चर्चा की गई थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस निर्देश से यह साफ संदेश जाता है कि केंद्र सरकार जल जीवन मिशन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अब राज्यों को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी और भ्रष्टाचार में शामिल एजेंसियों तथा अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना अनिवार्य होगा। इससे न केवल मिशन की सफलता सुनिश्चित होगी बल्कि किसानों और ग्रामीण समुदायों को साफ पानी की पहुंच में सुधार भी मिलेगा।

केंद्र का यह कदम यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रीय जल सुरक्षा और स्वच्छता के महत्व को लेकर सरकार किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगी और जिन पर दुरुपयोग के आरोप हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी और प्रशासनिक

सूचना

22, 23 व 24 अक्टूबर को नवर्षाभिनंदन, भय्यादूज व तीज पर्व के उपलक्ष्य में हमारा कार्यालय अवकाश मनायेगा। अतः 23, 24 व 25 अक्टूबर को समाचार पत्र नहीं प्राप्त हो सकेगा, आगामी अंक 26 अक्टूबर, 2025 रविवार से यथावत अंक प्रकाशित होंगे।

-सम्पादक

पूर्व केंद्रीय मंत्री योगेन्द्र मकवाना का 92 वर्ष की उम्र में निधन

(जीएनएस)। अहमदाबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री योगेन्द्र मकवाना का अहमदाबाद में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पार्टी प्रवक्ता हिरेन बैंकर ने बताया कि मकवाना लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।

योगेन्द्र मकवाना ने भारतीय राजनीति में लंबा और प्रभावशाली करियर निभाया। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के मंत्रिमंडल में 1980 से 1988 तक केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवा दी। इसके अतिरिक्त वे 1973 से 1989 तक राज्यसभा के सदस्य रहे और कांग्रेस संसदीय दल में उप मुख्य सचेतक के पद पर भी कार्य किया।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मकवाना ने न केवल राष्ट्रीय राजनीति में बल्कि गुजरात राज्य की कांग्रेस राजनीति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके शांत और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है और उन्हें एक सर्वसमर्पित नेता और मेहनती कार्यकर्ता के रूप में याद किया जा रहा है। उनका निधन राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में एक बड़ी क्षति के रूप में देखा जा रहा है।

संपादकीय

शतायु जीवन दे सकते हैं अच्छे बैक्टीरिया

दुनिया में कुछ लोग अपनी आयु का शतक पूरा कर लेते हैं और कुछ गिने-चुने लोग अपने शतक में कुछ और साल जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं। क्या इन लोगों का दीर्घ जीवन आनुवंशिक कारणों से है या इसके लिए उनका खानपान और दिनचर्या जिम्मेदार है? वैज्ञानिक काफी लंबे अर्से से इन सवालों का उत्तर ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। स्पेनी महिला मारिया ब्रान्यास मोरेरा द्वारा छोड़े गए एक 'उपहार' से उनके शोध प्रयासों को नया बल मिला है। मोरेरा का जब 2024 में 117 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो वह विज्ञान के लिए अपने माइक्रोबायोम के नमूने छोड़ गई। हर व्यक्ति के शरीर में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के समूह को माइक्रोबायोम कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस नमूने का अध्ययन करने के बाद पाया कि मोरेरा की आंतें दशकों छोटी महिला की आंतों की तरह विविध थीं। वे ऐसे लाभकारी बैक्टीरिया से भरपूर थीं जो दीर्घायु से जुड़े हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि मोरेरा की रोजाना योगर्ट (खास विधि से जमाया गया दही) खाने की आदत और भूमध्यसागरीय आहार ने शायद इसमें मदद की होगी। हालांकि हम सभी को 'भाग्यशाली जीन' विरासत में नहीं मिलते, फिर भी अपने माइक्रोबायोम का पोषण करना आजीवन स्वास्थ्य बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक शोधपत्र में शोधकर्ताओं ने एक सुपरसेंटेनेरियन (110 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति) पर संभवतः सबसे विस्तृत वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत किया है। अपनी मृत्यु से पहले ब्रान्यास ने इस शोध में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि उन्होंने इतना लंबा और स्वस्थ जीवन कैसे जिया।

वैज्ञानिकों ने उसके नमूनों की तुलना उन लोगों के नमूनों से की जिनकी उम्र इतनी असाधारण नहीं थी। उन्होंने पाया कि ब्रान्यास के शरीर में सुरक्षात्मक जीन मौजूद थे जो सामान्य बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन उन्होंने आंत के माइक्रोबायोम पर भी ध्यान दिया जिस पर हमारा ज्यादा नियंत्रण है। यह माइक्रोबायोम बैक्टीरिया, कवक और अन्य सूक्ष्मजीवों का विशाल समुदाय है जो हमारी आंतों में रहते हैं। ये भोजन को पचाने, विटामिन बनाने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करने और मस्तिष्क से संवाद करने में मदद करते हैं। यद्यपि हमारे जीन हमारे माइक्रोबायोम को आकार देने में छोटी भूमिका निभाते हैं, लेकिन आहार और जीवनशैली कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, आंत में सूक्ष्मजीव प्रजातियों की विविधता कम हो जाती है और बिफीडोबैक्टीरियम जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीव कम हो जाते हैं। विविधता में इस कमी को दुर्बलता से जोड़ा गया है। ब्रान्यास की आंत का माइक्रोबायोम किसी बहुत कम उम्र के वयस्क की तरह ही विविध था और विशेष रूप से बिफीडोबैक्टीरियम परिवार के जीवाणुओं से भरपूर था। ज्यादातर बुजुर्गों में ये बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, लेकिन ब्रान्यास के स्तर अन्य शतायु और अतिशतायु लोगों में बिफीडोबैक्टीरियम के बढ़े हुए स्तर की पिछली रिपोर्टों से मेल खाते थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि इस असामान्य रूप से युवा माइक्रोबायोम ने उनकी आंत और प्रतिरक्षा स्वास्थ्य को सहारा दिया होगा, जिससे उनकी असाधारण दीर्घायु में योगदान मिला।

बिफीडोबैक्टीरिया शिशु की आंत में बसने वाले पहले सूक्ष्मजीवों में से हैं और आमतौर पर जीवन भर लाभकारी माने जाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ये प्रतिरक्षा कार्य को बढ़ावा देने, आंत संबंधी विकारों से बचाने और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ब्रान्यास के आहार से इस बात का सुराग मिला कि उनमें बिफीडोबैक्टीरियम का इतना उच्च स्तर क्यों था। ब्रान्यास ने बताया कि वह रोजाना तीन बार योगर्ट का सेवन करती थी। योगर्ट में जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो बिफीडोबैक्टीरियम के विकास को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भूमध्यसागरीय आहार भी अपनाया, जो खाने का एक ऐसा तरीका है जो आंत के माइक्रोबायोम की विविधता और अच्छे स्वास्थ्य से लगातार जुड़ा हुआ है। बिफीडोबैक्टीरियम को बढ़ावा देने वाले अन्य खाद्य पदार्थों में केफिर (एक तरह की छाछ) और फर्मेंट की गई सब्जियां शामिल हैं। इनमें प्रोबायोटिक्स अथवा जीवित बैक्टीरिया होते हैं जो आंत में बस सकते हैं और स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। लेकिन प्रोबायोटिक्स को ईंधन की आवश्यकता होती है। प्रीबायोटिक्स खाद्य पदार्थों में आहारीय रेशे होते हैं जिन्हें हम पचा नहीं सकते लेकिन जिन पर हमारे सूक्ष्मजीव पनपते हैं। ये रेशे प्याज, लहसुन, केले, जई और फलियों जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स मिलकर एक संतुलित माइक्रोबायोम बनाए रखने में मदद करते हैं। बेशक, यह एक अकेले व्यक्ति पर किया गया अध्ययन था और वैज्ञानिक यह दावा नहीं कर रहे हैं कि केवल उसका माइक्रोबायोम ही उसकी लंबी आयु की व्याख्या करता है। उसकी असाधारण दीर्घायु लगभग निश्चित रूप से कई परस्पर जुड़े कारकों का परिणाम थी जिनमें सुरक्षात्मक जीन, कुशल चयापचय (मेटाबॉलिज्म), कम सूजन और संभवतः आंत के विविध माइक्रोबायोम का समर्थन शामिल है।

दिवाली पर हुई आतिशबाजी से जल गया पाकिस्तान लाहौर की फूली सांस तो भारत को बताया जिम्मेदार

> पाकिस्तान के लाहौर में वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में पहुंच गई है। लाहौर में खराब हुई हवा का दोष पाकिस्तान ने भारत पर मढ़ा है। लाहौर में हालात ऐसे बन गए हैं कि यहां सांस लेना भी मुश्किल हो गया है।

दिवाली का त्योहार पूरे भारत में धूमधाम के साथ मनाया गया। देश रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया नजर आया जमकर आतिशबाजी हुई। पटाखों की आवाज और दीयों की रोशनी से भारत जगमग रहा लेकिन सीमा पार पाकिस्तान का पंजाब प्रांत मुश्किल में नजर आया। खासकर लाहौर में इस साल दिवाली के बाद एयर क्वालिटी बेहद खराब रही। लाहौर शहर का AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) मंगलवार सुबह बढ़कर 266 तक पहुंच गया।

पाकिसान ने भारत पर मढ़ा दोष

पाकिस्तान के लाहौर में वायु गुणवत्ता खराब हुई तो शरीफ सरकार ने इसका दोष भारत पर ही मढ़ दिया। पाकिस्तान के दैनिक अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर के अधिकारियों ने दावा किया है कि नई दिल्ली और उत्तरी भारतीय शहरों से प्रदूषक तत्व लेकर आने वाली हवाओं ने देश में स्थिति और खराब कर दी है। प्रांतीय पर्यावरण संरक्षण विभाग (EPD) ने आरोप लगाया है कि भारत में दिवाली की आतिशबाजी से निकलने वाले धुएं और हवा की कम गति के कारण शहर की हवा जहरीली हुई है।

मंगलवार सुबह तक, लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 266 तक पहुंच गया था, जिससे यह दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि लाहौर की बिगड़ती हवा कोई नई बात नहीं है। बड़े पैमाने पर फसलों के अवशेष जलाने, अनियंत्रित वाहनों से निकलने वाले धुएं और औद्योगिक धुएं के कारण यह शहर लगातार दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार रहा है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी लापरवाही से लोगों को ध्यान भटकाने के लिए भारत को जिम्मेदार बता रहा है

लाहौर में बढ़ते स्मॉग से निपटने के लिए पंजाब सरकार ने शहर में अपना एंटी-स्मॉग गन अभियान शुरू किया है। काहना क्षेत्र में शुरू किए गए इस अभियान के परिणाम भी देखने को मिले हैं। अधिकारियों ने वायु प्रदूषण के स्तर में 70 फीसदी कमी का दावा किया है। इस साल की शुरुआत में, 11 जनवरी को, शहर में 529 का खतरनाक AQI दर्ज किया गया था जिसे "खतरनाक" श्रेणी में रखा गया था।

प्रेरणा

जब विश्व अंधकार में था, तब भारत ने ज्योति रची

बहुत पुराना समय था, जब मानव सभ्यता अपनी चेतना के आरंभिक बिंदु पर खड़ी थी। पृथ्वी के अधिकांश भागों में मनुष्य जीवन के मूल नियमों से भी अनभिज्ञ था। कोई आग की खोज में भटक रहा था, कोई जल की उपासना में, कोई आकाश को देख कर देवताओं की कल्पना कर रहा था। मगर इसी काल में, हिमालय की गोद में, गंगा-यमुना के तट पर, भारत की भूमि पर एक अद्भुत चमत्कार घट रहा था। यहाँ के ऋषि, मुनि और तपस्वी वन की नीरवता में बैठे हुए ब्रह्मांड के रहस्यों को सुन रहे थे। वे मिट्टी की भाषा में नहीं, बल्कि दिव्य ध्वनियों की अनुगूंज में सत्य का अनुभव कर रहे थे। जब संसार अज्ञान में डूबा था, तब भारत ने वेद रचे।

वेदों की ऋचाएँ केवल धार्मिक मंत्र नहीं थीं, वे कंपन और चेतना के संगम का संगीत थीं। वेदों में प्रकृति और मनुष्य के बीच वह संवाद था जो आज की किसी वैज्ञानिक प्रयोगशाला में भी नहीं मिल सकता। ऋषि अग्नि को पुकारते थे, पर वह केवल अग्नि की ज्वाला नहीं, चेतना की अग्नि थी — जो मनुष्य के भीतर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करती है। यही अग्नि बाद में संस्कार, यज्ञ और तपस्या के रूप में भारत के जीवन में बस गई।

जब विश्व में भाषा का स्वरूप भी स्थिर नहीं था, तब भारत में पाणिनि ने 'अष्टाध्यायी' रची। वह केवल व्याकरण का ग्रंथ नहीं, बल्कि एक जीवित गणितीय प्रणाली थी। हर सूत्र, हर प्रत्यय एक कोड था, जैसे आज के कंप्यूटर प्रोग्राम होते हैं। पाणिनि के सूत्रों ने यह सिद्ध कर दिया कि भाषा केवल अभिव्यक्ति नहीं, गणना भी है; विचार केवल शब्द नहीं, तर्क का अनुशासन भी है। आधुनिक संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सिद्धांतों का बीज इसी अष्टाध्यायी में निहित है।

भारत ने ध्वनि को भी विज्ञान का रूप दिया। प्रातिशाख्य ग्रंथों में बताया गया कि कौन सा स्वर कहाँ से निकलता है, कौन सा व्यंजन मुख के किस भाग से कंपन करता है, और यह कंपन मस्तिष्क पर क्या प्रभाव डालता है। यह वह ज्ञान था जहाँ मनुष्य के भीतर की तरंगें और बाहरी ध्वनियाँ एकाकार होती थीं। ध्वनि केवल वाणी नहीं, चेतना की लय थी।

समय बीता, और पतंजलि ने योगसूत्र लिखे। योगसूत्रों में उन्होंने वह विज्ञान प्रकट किया जो आज भी मनोविज्ञान और तंत्रिका-विज्ञान की सीमाओं को पार कर जाता है। "योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः" — योग मन की तरंगों को शांत करने का उपाय है। जब मन शांत होता है, तब ब्रह्मांड का रहस्य स्वतः प्रकट होता है। योग केवल आसन नहीं, चेतना का शोधन है। आज दुनिया में जहाँ भी कोई मनुष्य ध्यान में बैठता है, वह अनजाने में पतंजलि की परंपरा का हिस्सा बन जाता है।

भारत ने गणित को भी अध्यात्म का अंग माना। जब आर्यभट ने कहा कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है, तब यह कोई खगोलीय अनुमान नहीं था, बल्कि ध्यान की गहराई में देखा गया सत्य था। भास्कराचार्य ने 'लीलावती' और 'बीजगणित' में गणना की ऐसी पद्धति दी जिसने बाद में यूरोप के गणित को दिशा दी। उन्होंने संख्याओं को केवल जोड़ने-घटाने की वस्तु नहीं, बल्कि ब्रह्म के प्रतिबिंब के रूप में देखा।

भारत ने चिकित्सा-विज्ञान को भी आत्मा से जोड़ा। आयुर्वेद में शरीर केवल मांस और हड्डियों का समूह नहीं, बल्कि पंचमहाभूतों का संतुलन था। सुश्रुत ने शल्य-चिकित्सा की तकनीकें दीं, चरक ने बताया कि रोग केवल शरीर का नहीं, मन का भी असंतुलन है। चरक संहिता में कहा गया — "सर्वं द्रव्यं भेषजम्" — अर्थात् सम्पूर्ण प्रकृति औषधि है। पेड़, पौधे, जल, वायु — सब जीवन के रक्षक हैं। यह दृष्टि केवल वैज्ञानिक नहीं, करुणामयी भी थी।

जब विश्व औद्योगिक क्रांति में उलझा, तब भारत का ज्ञान आत्मा की क्रांति की ओर अग्रसर था। यहाँ विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं था, बल्कि जीवन की हर श्वास में उपस्थित था। भगवद्गीता ने इसी दृष्टि को सर्वोच्च रूप में कहा — "ज्ञानं विज्ञानसहितम्" — अर्थात् ऐसा ज्ञान जो केवल तर्क नहीं, अनुभव भी हो। जब कर्म ज्ञान के साथ जुड़ता है, तब विज्ञान करुणा बन जाता है। यही भारत की पहचान रही है।

भारतीय आचार्यों ने छः दर्शन रचे — सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांत। कपिल के सांख्य ने बताया कि सृष्टि प्रकृति और पुरुष के मिलन से बनी है; गौतम के न्याय ने प्रमाण और तर्क के नियम स्थापित किए; कणाद के वैशेषिक ने परमाणु का सिद्धांत प्रतिपादित किया — जब पश्चिम में 'एटम' का विचार भी नहीं जन्मा था। बादरायण के वेदांत ने ब्रह्म को सर्वोच्च सत्य कहा, जो न आरंभ है न अंत। शंकराचार्य ने अद्वैत में कहा — "ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या," और रामानुजाचार्य ने उस सत्य को प्रेम के रूप में परिभाषित किया। यह सब मिलकर भारतीय दर्शन को ब्रह्मांडीय चेतना का दर्पण बना देते हैं।

और फिर आया वह क्षण, जब भारत ने दुनिया को सबसे महान खोज दी — शून्य। एक ऐसा प्रतीक जो कुछ भी नहीं है, पर उसमें सब कुछ है। शून्य का अर्थ है रिक्तता, पर यह रिक्तता अनंत संभावनाओं की जननी है। इसीलिए शून्य को ब्रह्म का प्रतीक माना गया — क्योंकि ब्रह्म भी न तो सीमित है, न शून्य रहित। नागार्जुन ने शून्यता को अस्तित्व और अनस्तित्व के बीच की पुलिया बताया — वह बिंदु जहाँ सृष्टि जन्म लेती है और विलीन होती है।

आज जब कंप्यूटर बाइनरी कोड 0 और 1 से चलता है, जब अंतरिक्ष की दूरी नापी जाती है, जब AI चेतना की नकल करने की कोशिश करती है — तब कहीं न कहीं हर समीकरण, हर एल्गोरिथ्म, हर गणना के भीतर भारत के ऋषियों की छाया झलकती है।

भारत का ज्ञान कभी पुराना नहीं हुआ। यह कालातीत है। क्योंकि यह मिट्टी से नहीं, चेतना से निकला है। यह केवल शब्दों का ग्रंथ नहीं, आत्मा का अनुभव है। जब तक ब्रह्मांड में विचार रहेगा, जब तक मनुष्य सत्य की खोज में रहेगा, तब तक भारत की ऋचाएँ गूंजती रहेंगी — ओम् तत् सत्।

'अरविंद खान केजरीवाल, औरंगजेब के चहेते...', AAP प्रमुख पर क्यों भड़क गए मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी और इसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर बड़ा हमला किया है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिरसा ने आरोप लगाया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का स्तर बढ़ाने के लिए किसानों को पराली जलाने के लिए मजबूर कर रही है। सिरसा ने इस दौरान अरविंद केजरीवाल को अरविंद खान केजरीवाल कहा और उन्हें औरंगजेब का चहेता बताया है। आइए जानते हैं कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस बारे में और क्या कुछ कहा है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने आरोप लगाता हुए कहा- "पंजाब में आप नेता किसानों से जानबूझकर पराली जलवाने का काम कर रहे हैं। ये वीडियो में साफ दिख रहा है कि मुंह छुपाकर पराली जलवाई जा रही है। वीडियो दिखाया गया कैसे सितंबर से अक्टूबर तक पराली जलाई गई। AAP वालों ने इन्हें मुंह ढककर पराली जलाने वाले को कहा है। किसान पराली नहीं जलाना चाहता ये मजबूर कर रहे हैं। दिल्ली में पिछले 7 महीनों में काम जो हम कर रहे हैं उससे ये परेशान हो गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने पहले एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए पटाखे बैन कराएं। आप नेता लगातार सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि दिवाली न मनाए। बीजेपी का त्यौहार दिवाली नहीं है ये सनातन हिन्दू का त्यौहार है। मुझे हैरानी है कि आप पार्टी 10 साल तक नाकाम रही। औरंगजेब और अकबर के चहेते बोल रहे हैं।"

केजरीवाल ने दिल्ली को बर्बाद किया- सिरसा

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा- "लगातार आंकड़ा देखें तो दिवाली के वक्त AQI में बहुत फर्क नहीं पड़ा बल्कि एक आंकड़ा है कि 32 प्वाइंट तब बढ़ा जब पटाखे बैन थे। इस बार AQI 335 दिवाली से पहले था और दिवाली के बाद 356 AQI है। 27 साल की बीमारी अरविंद केजरीवाल की सरकार देकर गई है अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को बर्बाद करने का काम किया है। 27 लाख मीट्रिक टन कूड़ा हमारी सरकार हटा चुकी है। एसटीपी को दोबारा शुरू कराया है, हजारों इलेक्ट्रिक बस लेकर आए हैं।"

केजरीवाल औरंगजेब के चहेते- सिरसा

सिरसा ने कहा- "आप जान भूझकर धर्म को इसके बीच में ला रहे हैं। ये सब एक विशेष धर्म को खुश करने के लिए। सुबह से लोगो को कोस रहे हैं कि उन्होंने दिवाली कैसे मनाई, क्यों मनाई, बीजेपी को कोस रहे हैं। ये बीजेपी का त्योहार नहीं है, ये सनातन का त्योहार है, आप हमें गाली दीजिए एतराज नहीं करेंगे। दीपावली को ब्लेम एक धर्म को खुश करने के लिए कर रहे हैं। औरंगजेब के चहेते, अरविंद खान केजरीवाल एक ही धर्म को खुश करना छह रहे हैं।"

सिरसा ने कहा- "2023 में दिवाली वाले दिन AQI था 218, और अगली सुबह बढ़कर 301 पहुंचा, यानी 83 अंकों की बढ़ोतरी। 2024 में दिवाली वाले दिन AQI था 328, और अगले दिन 360 यानी 32 अंकों का अंतर, वो भी पटाखा बैन और तमाम पाबंदियों के बावजूद। लेकिन 2025 में, जब पटाखों पर कोई बैन नहीं था, लोगों ने अपनी आस्था और परंपरा के साथ दिवाली मनाई, पटाखे भी जलाए, तब दिवाली वाले दिन 345 से अगले दिन 356 पहुंचा, यानी महज़ 11 अंकों की बढ़ोतरी। ये समीर app के आंकड़े है। मात्र 11 पॉइंट ही बढ़ा है, इसमें क्या दिक्कत है, कोई आस्था से अपना त्योहार मना रहा है तो इनके पेट में क्या दिक्कत है।"

सिरसा अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा- "मुसलमान भी बकरीद पर सड़कों पर बकरा काटेंगे तो केजरीवाल उससे भी सवाल करेंगे? क्या ईद पर जब कुर्बानी होती है तो क्या केजरीवाल उसे रुकवाने का काम करेंगे? नहीं करेंगे। इन्होंने दिल्ली को ब्रिटिशर्स से भी ज्यादा लूटा है।"

मनजिंदर सिंह सिरसा ने आरोप लगाता हुए कहा- "पंजाब में आप नेता किसानों से जानबूझकर पराली जलवाने का काम कर रहे हैं। ये वीडियो में साफ दिख रहा है कि मुंह छुपाकर पराली जलवाई जा रही है। वीडियो दिखाया गया कैसे सितंबर से अक्टूबर तक पराली जलाई गई। AAP वालों ने इन्हें मुंह ढककर पराली जलाने वाले को कहा है। किसान पराली नहीं जलाना चाहता ये मजबूर कर रहे हैं। दिल्ली में पिछले 7 महीनों में काम जो हम कर रहे हैं उससे ये परेशान हो गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने पहले एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए पटाखे बैन कराएं। आप नेता लगातार सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि दिवाली न मनाए। बीजेपी का त्यौहार दिवाली नहीं है ये सनातन हिन्दू का त्यौहार है। मुझे हैरानी है कि आप पार्टी 10 साल तक नाकाम रही। औरंगजेब और अकबर के चहेते बोल रहे हैं।"

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा- "लगातार आंकड़ा देखें तो दिवाली के वक्त AQI में बहुत फर्क नहीं पड़ा बल्कि एक आंकड़ा है कि 32 प्वाइंट तब बढ़ा जब पटाखे बैन थे। इस बार AQI 335 दिवाली से पहले था और दिवाली के बाद 356 AQI है। 27 साल की बीमारी अरविंद केजरीवाल की सरकार देकर गई है अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को बर्बाद करने का काम किया है। 27 लाख मीट्रिक टन कूड़ा हमारी सरकार हटा चुकी है। एसटीपी को दोबारा शुरू कराया है, हजारों इलेक्ट्रिक बस लेकर आए हैं।"

सिरसा ने कहा- "आप जान भूझकर धर्म को इसके बीच में ला रहे हैं। ये सब एक विशेष धर्म को खुश करने के लिए। सुबह से लोगो को कोस रहे हैं कि उन्होंने दिवाली कैसे मनाई, क्यों मनाई, बीजेपी को कोस रहे हैं। ये बीजेपी का त्योहार नहीं है, ये सनातन का त्योहार है, आप हमें गाली दीजिए एतराज नहीं करेंगे। दीपावली को ब्लेम एक धर्म को खुश करने के लिए कर रहे हैं। औरंगजेब के चहेते, अरविंद खान केजरीवाल एक ही धर्म को खुश करना छह रहे हैं।" सिरसा ने कहा- "2023 में दिवाली वाले दिन AQI था 218, और अगली सुबह बढ़कर 301 पहुंचा, यानी 83 अंकों की बढ़ोतरी। 2024 में दिवाली वाले दिन AQI था 328, और अगले दिन 360 यानी 32 अंकों का अंतर, वो भी पटाखा बैन और तमाम पाबंदियों के बावजूद। लेकिन 2025 में, जब पटाखों पर कोई बैन नहीं था, लोगों ने अपनी आस्था और परंपरा के साथ दिवाली मनाई, पटाखे भी जलाए, तब दिवाली वाले दिन 345 से अगले दिन 356 पहुंचा, यानी महज़ 11 अंकों की बढ़ोतरी। ये समीर app के आंकड़े है। मात्र 11 पॉइंट ही बढ़ा है, इसमें क्या दिक्कत है, कोई आस्था से अपना त्योहार मना रहा है तो इनके पेट में क्या दिक्कत है।"

अभियान

गोवर्धन पूजा में 56 भोग का रहस्य और भगवान कृष्ण की अमृत कथा

दीपावली की दीप्ति जैसे ही मंद पड़ती है, अगले ही दिन ब्रजभूमि में एक नई उमंग और भक्ति का उत्सव आरंभ हो जाता है — वह है गोवर्धन पूजा। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में श्रद्धा, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति आभार का पर्व है। इस दिन ब्रज के हर घर में, हर आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बनाई जाती है, उसे फूलों से सजाया जाता है, चारों ओर दीप प्रज्वलित किए जाते हैं, और लोग श्रीकृष्ण के प्रति अपनी भक्ति को 56 भोग अर्पित कर व्यक्त करते हैं।

कहते हैं कि यह दिन केवल पूजा का नहीं, बल्कि एक दिव्य कथा का स्मरण है — वह कथा जब बाल गोपाल ने अपनी नन्हीं उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। इंद्र के अहंकार को तोड़ने और ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने सात दिन और सात रातें लगातार पर्वत को थामे रखा। न उन्होंने कुछ खाया, न पिया, न विश्राम किया। तब जब वर्षा रुकी और ब्रजवासियों पर संकट टला,

तो माता यशोदा और सभी गोप-गोपिकाओं ने उनके लिए विशेष भोज का आयोजन किया।

कथा के अनुसार, माता यशोदा कृष्ण को प्रतिदिन आठ बार भोजन कराती थीं — आठ पहर अर्थात् दिन-रात के आठ समय। जब भगवान सात दिनों तक उपवास में रहे, तब माता ने सोचा कि बाल गोपाल को इतने दिनों की भूख मिटाने के लिए आठ पहर × सात दिन = 56 प्रकार के व्यंजन बनाने चाहिए। इसी से 56 भोग की परंपरा प्रारंभ हुई। यह केवल अन्न का भोग नहीं, बल्कि प्रेम, कृतज्ञता और समर्पण की अभिव्यक्ति थी।

गोवर्धन पूजा में जो 56 भोग अर्पित किए जाते हैं, उनमें हर स्वाद, हर रस, हर भावना का प्रतीक छिपा होता है। इनमें मीठा, खट्टा, नमकीन, कड़वा, कसैला — सब कुछ होता है, क्योंकि जीवन के हर रस को भगवान को समर्पित करना ही पूर्णता है। इन भोगों में मुख्य रूप से यह व्यंजन सम्मिलित होते हैं — पूरनपोली, मालपुआ, खीर, लड्डू, मोहनभोग, पेड़ा, हलवा, बर्फी, गुजिया, रबड़ी, खाजा, मिष्ठान, दही-बड़ा, कचौड़ी, पूरी, सब्जियाँ, दालें, चटनी, अचार, रायता, फल, सूखे मेवे, माखन-मिश्री, दूध, छाछ, शहद, रसगुल्ले, जलेबी, पापड़, खिचड़ी, मुरब्बा, सेव, खीरमोहन, रसमलाई, गुलाबजामुन, सिंघाड़े का आटा, लस्सी, मूंगदाल हलवा, साबूदाने का पायस, गन्ने का रस, मिश्री, मिठी रोटी, चूरमा, चावल की खीर, मटर-पनीर, आलू-दम, लौकी की सब्जी, मूली का रायता, टमाटर चटनी, मेवा मिश्रित मिष्ठान, घी में तली मिठाइयाँ, और अंत में तुलसी दल से युक्त चरणामृत।

इन 56 व्यंजनों को थाल में इस प्रकार सजाया जाता है कि वह ब्रह्मांड के प्रतीक बन जाएँ — मध्य में भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप और चारों ओर जीवन के रसों से भरा सृष्टि चक्र। जब भक्त प्रेमपूर्वक इन भोगों को अर्पित करता है, तो वह केवल भोजन नहीं चढ़ाता, बल्कि अपने मन के सभी स्वाद, भाव और अनुभूतियाँ भगवान को समर्पित करता है।

गोवर्धन पूजा का गहरा अर्थ यह भी है कि प्रकृति — पर्वत, पशु, जल, भूमि, और वृक्ष — सबके प्रति मनुष्य का कृतज्ञ होना आवश्यक है। श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा था कि गोवर्धन पूजा करो, क्योंकि यह पर्वत तुम्हें जल देता है, घास देता है, गौओं के लिए चारा देता है और तुम्हारे जीवन को पोषण देता है। यही कारण है कि इस दिन गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा बनाकर पूजा की जाती है — यह पूजा प्रकृति और ईश्वर के एकत्व की प्रतीक है।

इसी पूजा में ओंगा या अपामार्ग नामक वनस्पति रखना शुभ माना गया है, क्योंकि यह औषधीय दृष्टि से रोगों का नाश करती है और अध्यात्म में नकारात्मकता को दूर करती है। इसे गोवर्धन की आरती में शामिल करना ब्रज की प्राचीन परंपरा है। गोवर्धन पूजा में जब भक्त 56 भोग का अर्पण करते हैं, तब ब्रजभूमि का वातावरण अलौकिक हो उठता है। मंदिरों में घंटियाँ बजती हैं, गायों के गले में बंधे घुँघरू गूंजते हैं, और हर ओर यह ध्वनि फैलती है — "गिरिराज महाराज की जय!" ऐसा लगता है जैसे स्वयं श्रीकृष्ण अपने स्वरूप में प्रकट होकर प्रसन्न होकर सबका आशीर्वाद दे रहे हों।

कहते हैं, जो व्यक्ति सच्चे मन से गोवर्धन पूजा करता है और भगवान को 56 भोग का भावपूर्वक अर्पण करता है, उसके जीवन में अन्न, धन और सुख-समृद्धि की कभी कमी नहीं रहती। यह पूजा हमें यह भी सिखाती है कि ईश्वर का प्रेम केवल मंदिरों में नहीं, हर जीव और हर कण में बसता है। जो व्यक्ति प्रकृति, गौ, और धरती की सेवा करता है — वही सच्चा कृष्णभक्त है।

गोवर्धन पूजा इसीलिए केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय संवाद है — जहाँ मनुष्य ईश्वर को नहीं, बल्कि स्वयं को प्रकृति के चरणों में समर्पित करता है। और जब वह समर्पण 56 भोग के रूप में साकार होता है, तब हर ग्रास अमृत बन जाता है, और हर श्वास कृष्ण का नाम बन जाती है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

मथुरा में मालगाड़ी बेपटरी, रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त; सैकड़ों यात्री फंसे, संचालन प्रभावित

(जीएनएस)। मथुरा। मथुरा जिले में रेलवे संचालन मंगलवार की रात एक बड़े हादसे के कारण ठप हो गया, जब छटीकरा और आइई रेलवे स्टेशनों के बीच दिल्ली की तरफ जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। दुर्घटना में लगभग आठ सौ मीटर स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए और ओएचई टूटने के कारण अप और डाउन दोनों लाइनें प्रभावित हुईं। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत तथा पटरी सुधार कार्य में जुट गए।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार रात 8.03 बजे हुआ। गाड़ी का इंजन अलग होकर आगे खड़ा हो गया, जिससे पटरी और डिब्बों को भारी नुकसान हुआ। रेलवे सूत्रों ने बताया कि डिब्बों की कपलिंग खुलने के कारण यह दुर्घटना हुई। अप, डाउन और थर्ड लाइन प्रभावित होने से कई अहम पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित हुईं। इसमें मेवाड़ एक्सप्रेस, हरिद्वार-बांद्रा एक्सप्रेस, उत्तर प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, केरला एक्सप्रेस, कर्नाटक एक्सप्रेस और डाउन रूट की नंदादेवी एक्सप्रेस व शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। हादसे के तुरंत बाद रेलवे ने चौथी लाइन से ट्रेनों को गुजारने का प्रयास शुरू किया। रात 10 बजे तक वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर खड़ी आगरा-पलवल पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया गया। हालांकि, सैकड़ों यात्री स्टेशन पर फंसे रहे और उन्हें अन्य साधनों से गंतव्य तक पहुँचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। रेलवे ने फंसे यात्रियों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किया और स्टालों पर पानी व भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई। रेलवे ने यह भी सुनिश्चित किया कि प्रभावित यात्रियों को रिफंड में कोई परेशानी न हो।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि डिब्बे पटरी से उतरने के कारण न केवल ट्रैक बल्कि ओएचई और स्लीपर भी क्षतिग्रस्त हुए। दुर्घटना से प्रभावित रूट की कई ट्रेनों को रोका गया और स्टेशन पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए अधिकारियों ने अतिरिक्त क्रेन और उपकरण मंगाए। रातभर ट्रैक को ठीक करने का कार्य जारी रहा।

रेलवे ने इस हादसे की गहन जांच के आदेश जारी किए हैं। अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि हादसे में मानवीय त्रुटि हुई या तकनीकी कारणों के चलते गाड़ी बेपटरी हुई। रेलवे ने सुरक्षा और पटरी की मजबूती के लिए आगे और कदम उठाने का संकेत दिया है ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

यात्री हादसे से तो परेशान हुए ही, साथ ही रेलवे संचालन और समय सारिणी में भी भारी बदलाव हुआ। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि घटना की समीक्षा के साथ ही प्रभावित मार्ग पर जल्द से जल्द रेल संचालन बहाल करने के प्रयास जारी हैं। यह घटना मथुरा के रेलवे नेटवर्क के संचालन और सुरक्षा पर एक चेतावनी के रूप में सामने आई है, जिससे पता चलता है कि मालगाड़ियों के संचालन में नियमित निगरानी और तकनीकी सुधार कितने महत्वपूर्ण हैं।

त्यौहार सीज़न में वडोदरा मंडल ने की व्यापक व्यवस्था, फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से 30 लाख यात्रियों ने की यात्रा

(जीएनएस)। दिवाली और छठ पर यात्रियों विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले निवासियों का एक प्रमुख त्यौहार है। दिवाली और छठ की मौके पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। 1 अक्टूबर से अभी तक वडोदरा मंडल द्वारा परिचालित नियमित एवं 5 स्पेशल ट्रेनों के जरिये अभी तक 30 लाख से ज्यादा यात्रिओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपने गंतव्य तक यात्रा की है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने आज आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि वडोदरा मंडल का यह प्रयास है कि छठ के दौरान यात्रिओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे खुशी खुशी अपने परिवार के साथ त्यौहार मना सके। इसके लिए वडोदरा मंडल द्वारा पांच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जिसके 70 से ज्यादा ट्रिप नोटिफ़िएड किये जा चुके है। वडोदरा स्टेशन से यात्रियों की सुविधा के लिए मऊ, कोलकाता और गोरखपुर के लिए आरक्षित ट्रेनें चलायी जा रही है, तो वहीं प्रतापनगर से दो अनारक्षित ट्रेनें कटिहार और जयनगर के लिए चलायी जा रही हैं। यात्रिओं तक स्पेशल ट्रेनों की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पहुचायी जा रही है। स्टेशन पर पर्याप्त जगह पर स्पेशल ट्रेनों की सूची लगाई गई है और इसकी उद्घोषणाएं PA सिस्टम पर लगातार की जा रही है।

श्री भडके ने बताया कि यात्रिओं की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट के विशेष प्रयास किये गए है। इसके लिए वडोदरा स्टेशन पर 350 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल का एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है,जहां यात्री ट्रेन आने से पहले आराम कर सकते हैं होल्डिंग एरिया में सीटिंग व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पर्याप्त लाइटिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं दी गई है। मंडल के अंकलेश्वर, भरुच, वडोदरा, छायापुरी और गोधरा में यात्रिओं की सहायता के लिए राउंड द क्लॉक टिकट चेकिंग और रेल सुरक्षा बल के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गयी है, जिससे यात्रियों को कोई असुविधा न हो। मंडल कार्यालय में वॉर रूम स्थापित किया गया है, जहाँ उच्च अधिकारिओं द्वारा यात्रिओं की भीड़, उनकी सुरक्षा और स्टेशन पर सुविधाओं की निगरानी की जा रही है। टिकटिंग एवं यात्री सुरक्षा में किये गए प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने आगे बताया कि यात्री को टिकट लेने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रतापनगर एवं वडोदरा स्टेशन पर एक्स्ट्रा बुकिंग काउंटर खोले गए हैं। यात्रिओं के लिए टिकटिंग को आसान करते हुए टिकट चेकर द्वारा मोबाइल टिकटिंग की भी व्यवस्था की गयी है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे द्वारा यात्रा की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान प्रभावी समन्वय बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ड्यूटी के दौरान निर्बाध डिजिटल संचार के लिए वॉकी-टॉकी और बॉडी वॉर्न कैमरा का उपयोग कर रहें हैं।

त्योहार के समय यात्री अपने परिजनों से मिलने रेल सेवाओं को लाभ उठा रहे हैं। पश्चिम रेलवे का वड़ोदरा मंडल की आप सभी से अपील है टिकट खरीद कर यात्रा करें और स्टेशन पर उपलब्ध रेलवे कर्मचारियों के दिशा निर्देशों का पालन करें। पश्चिम रेलवे छठ पर यात्रिओं के सफर को सुविधाजनक और आरामदायक बनाए के लिए प्रतिबध्द है।

Introducing Ahmedabad's Biggest Blockbuster!

AHMEDABAD SHOPPING FESTIVAL

5th Dec '25. to 16th Jan. '26

"Something for Everyone"

www.ahmedabadshoppingfestival2025.com

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

लोकार्पण एवं
शिलान्यास समारोह

श्री अमितभाई शाह
माननीय केंद्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता
तथा सांसद, गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के करकमलों द्वारा

:: विशेष उपस्थिति ::

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

श्री शंकरभाई चौधरी
माननीय अध्यक्ष, विधानसभा गुजरात

श्री हर्ष संघवी
माननीय, उपमुख्यमंत्री, गुजरात

दिनांक : 23 अक्टूबर 2025, गुरुवार

अहमदाबाद-मालिया मार्ग के शांतिपुरा चौराहे से खोरज जीआईडीसी चौराहे तक
28.800 किलोमीटर खंड के ₹805 करोड़ की लागत से सिक्स-लेन विस्तार कार्य का शिलान्यास

:: प्रोजेक्ट की विशेषताएँ ::
- अनुमानित लागत ₹805 करोड़।
- यह परियोजना साणंद और वीरमगाम के औद्योगिक केंद्रों को बेहतर और सुगम सड़क संपर्क प्रदान करेगी।
- 22.731 किमी लंबाई में दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा।
- इस परियोजना के अंतर्गत 13 छोटे पुलों का चौड़ीकरण और पाँच नए अंडरपास का निर्माण कार्य भी शामिल है।

समय : सुबह 10:00 बजे
स्थान : अमृतफल होटल के पास, तेलाव, सरखेज, साणंद रोड

गांधीनगर के सेक्टर 17 में नए 'सदस्य निवास संकुल' का लोकार्पण

:: मुख्य विशेषताएँ ::
- अनुमानित लागत ₹325 करोड़।
- यह संकुल जनप्रतिनिधियों के लिए आधुनिक और अत्याधुनिक आवासीय सुविधाएँ प्रदान करेगा।
- संकुल में 12 टावरों में कुल 216 आवास हैं, प्रत्येक टावर में 9 मंज़िलें हैं।
- इसमें 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला बहुउद्देशीय हॉल, एक कम्युनिटी हॉल, स्विमिंग पूल, जिम्नेज़ियम जैसी सुविधाएँ हैं, तथा परिसर की हरियाली बढ़ाने हेतु 600 वृक्ष लगाए गए हैं।

समय : सुबह 11:00 बजे
स्थान : सेक्टर-17, गांधीनगर.

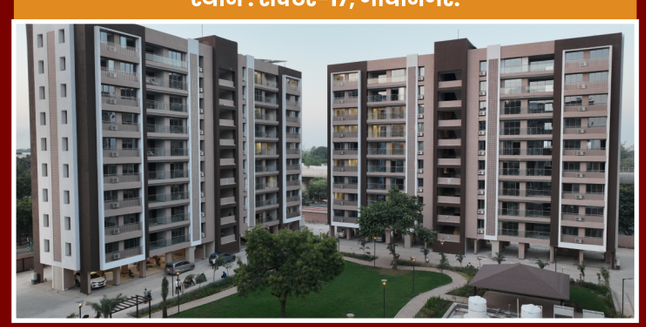

विकसित भारत
विकसित गुजरात

हर घर स्वदेशी
घर घर स्वदेशी

मार्ग एवं भवन निर्माण विभाग, गुजरात सरकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: पहली बार INDIA-एनडीए में नहीं होगा सीएम फेस, महागठबंधन में टिकट बंटवारे को लेकर खींचतान

(जीएनएस)। पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम फेज के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो गई। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पहले फेज में कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि 300 से अधिक पर्चे खारिज किए गए और 61 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस लिया। 243 सदस्यीय विधानसभा के पहले फेज के लिए 121 सीटों पर 6 नवंबर को मतदान होगा, जबकि दूसरे फेज की 122 सीटों पर 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दूसरे फेज के उम्मीदवारों की अंतिम स्थिति 23 अक्टूबर तक स्पष्ट हो जाएगी।

इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के भीतर टिकट बंटवारे और सीएम फेस को लेकर गहन खींचतान देखने को मिल रही है। पहली बार ऐसा हुआ है कि NDA और महागठबंधन (INDIA गठबंधन) ने कोई ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सभी दल नॉमिनेशन की अंतिम समयसीमा तक अपनी-अपनी सूची जारी करते रहे। NDA और महागठबंधन दोनों की ओर से कोई सीएम फेस अभी तक घोषित नहीं किया गया है।

INDIA गठबंधन में इस बार भी खींचतान रही। RJD ने नॉमिनेशन की अंतिम घड़ी में 143 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की, जबकि कांग्रेस ने 61, CPI(M) ने 20, CPI ने 9, CPM ने 6 और मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) ने 15 उम्मीदवार उतारे। कुल मिलाकर 243 सीटों पर 254 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें

12 सीटों पर उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। RJD इस बार भी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में मैदान में है, लेकिन कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ सीट शेयरिंग को लेकर तनातनी रही।

विशेष रूप से महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधित्व पर ध्यान दिया गया है। RJD ने 24 और कांग्रेस ने 5 महिला उम्मीदवार उतारे हैं। JDU और बीजेपी ने इस बार 13-13 महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 6 महिलाओं को टिकट दिया। जातिगत प्रतिनिधित्व में RJD ने 51 यादव, 19 मुसलमान, 14 सवर्ण और 11 कुशवाहा उम्मीदवारों को मौका दिया है।

इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 74 राजनीतिक दल चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें NDA में BJP, JDU, LJP (R), HAM और RLM शामिल हैं, जबकि महागठबंधन में RJD, कांग्रेस, माले, CPI, CPI(M), IIP और VIP शामिल हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज और आम आदमी पार्टी (AAP) भी सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतार रही हैं।

वहीं, VIP की शामिल होने से महागठबंधन में सीट बंटवारे की जटिलता और बढ़ गई है। VIP ने 15 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से 2 सीटों पर RJD के उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इस खींचतान और टिकट बंटवारे के विवाद के चलते दोनों गठबंधन पहले की तरह समन्वित प्रेस ब्रीफिंग नहीं कर सके। इस बार का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार NDA और महागठबंधन ने सीएम फेस का खुलासा नहीं किया है। इससे राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दोनों गठबंधन अपने चुनावी रणनीति में लचीलापन बनाए रखना चाहते हैं और अंतिम क्षण तक उम्मीदवारों के प्रदर्शन और जनमानस के रुझानों को देखकर सीएम फेस तय कर सकते हैं।

बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर यह चुनाव न केवल राजनीतिक दलों की ताकत और गठबंधन की रणनीति का परीक्षण है, बल्कि महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधित्व को लेकर भी चुनाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया बांद्रा टर्मिनस का दौरा

त्योहारों की भीड़ के मद्देनज़र यात्री सुविधाओं का निरीक्षण,तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

(जीएनएस)। दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 21 अक्टूबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन का दौरा किया तथा अत्यधिक यात्री यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था और स्पेशल ट्रेन परिचालन का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरे के दौरान महाप्रबंधक ने बांद्रा टर्मिनस के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि कॉनकोर्स, होल्डिंग एरिया, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया तथा त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए स्टेशन की तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के बाद श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मीडिया को संबोधित किया और उन्हें त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रबंधित करने तथा यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रेस ब्रीफिंग के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीज़न के दौरान हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जबकि 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी इस अवधि के दौरान यात्रियों के लिए सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों पर आने वाली भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे लगभग 80 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के 2,400 से ज़्यादा फेरे चला रही है, जिनमें से ज़्यादातर उत्तर भारत की ओर जाती हैं। इनमें से 1,586 फेरे गुजरात से, 738 महाराष्ट्र से और 90 मध्य प्रदेश से हैं। इनमें अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों के लगभग 50 फेरे भी शामिल हैं।

श्री गुप्ता ने कहा कि टिकटिंग में आसानी के लिए मोबाइल यूटीएस सुविधा शुरू की गई है, जिसके माध्यम से बुकिंग कर्मचारी टिकट जारी करने के लिए सीधे यात्रियों से संपर्क करते हैं। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को प्रबंधित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त कर्मियों को स्टेशनों पर तैनात किया गया है, ताकि यात्रियों का मार्गदर्शन किया जा सके और कतारों में सुरक्षित, व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। नियमित और विशेष सेवाओं सहित ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा सुरक्षा की जा रही है।

श्री गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सीसीटीवी सिस्टम पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। सभी संवेदनशील स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, जहाँ पश्चिम रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी चौबीसों घंटे मौजूद रहते हैं। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बांद्रा टर्मिनस पर त्योहारों के दौरान अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं। 15 से 21 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान लगभग 70,000 यात्री बांद्रा टर्मिनस से अपने गंतव्य तक यात्रा कर पाए। इस अवधि के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए उधना/सूरत से 466, बांद्रा टर्मिनस से 468, मुंबई सेंट्रल से 254 और वलसाड से 72 फेरे चलाए गए। श्री गुप्ता ने आगे बताया कि भीड़ के सुचारू आवाजाही और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस पर 450 यात्रियों की क्षमता वाला 350 वर्ग मीटर का एक अस्थायी होल्डिंग एरिया एवं 1,000 यात्रियों की क्षमता वाला 702 वर्ग मीटर का एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। दोनों होल्डिंग एरिया में पर्याप्त रोशनी, पंखे और एक सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली है, ताकि यात्रियों को ट्रेनों की आवाजाही की जानकारी मिलती रहे। बांद्रा टर्मिनस पर यात्रियों की सहायता के लिए प्रतिदिन दो पालियों में कुल 70 लाइसेंस प्राप्त सहायक तैनात रहते हैं। सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर चौबीसों घंटे पर्याप्त संख्या में टिकट चेकिंग स्टाफ भी तैनात रहते हैं एवं यात्रियों की अत्यधिक संख्या को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले गए हैं।

भीड़ नियंत्रित करने के लिए मुंबई सेंट्रल मंडल के बांद्रा टर्मिनस, वापी और सूरत स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दी गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्लेटफ़ॉर्म पर पार्सल का ढेर न लगाने के सख्त निर्देश भी जारी किए गए हैं। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि त्योहारों के दौरान होने वाली भारी भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सभी मंडलों में निरंतर निगरानी और समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। उन्होंने यात्रियों से अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने, मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं का उपयोग करने और सुरक्षित एवं परेशानी मुक्त यात्रा के लिए रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए जमीनी स्तर पर व्यवस्था का आकलन किया

यात्रियों ने भारतीय रेल की बेहतर उत्सव व्यवस्था की प्रशंसा की, अनारक्षित डिब्बों में भी आरामदायक यात्रा की सूचना

- 12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री सुरक्षित और समय पर घर पहुंचें: अश्विनी वैष्णव
- पिछले 20 दिनों में, 4211 विशेष ट्रेनों ने 1 करोड़ से अधिक यात्रियों की सेवा की, त्यौहारों की भीड़ को कम करने के लिए 7800 और ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा
- औसतन प्रतिदिन 4.25 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की जा रही है
- रेल भवन और सभी जोन और डिवीजनों में समर्पित वॉर रूम सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए तत्क्षण यात्री यात्रा की निगरानी कर रहे हैं
- भारतीय रेल त्यौहारों की भीड़ के दौरान लोगों की सेवा में मानवीय स्पर्श, समर्पित होल्डिंग क्षेत्रों के अलावा, एम-यूटीएस सहित अतिरिक्त टिकट काउंटर, यात्रियों को पीने योग्य पानी की सुविधा और स्वच्छ वॉशरूम प्रदान किए गए

(जीएनएस)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और इस त्योहारी सीजन के दौरान रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन किया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए, उन्होंने बताया कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन विशेष ट्रेनों से अब तक 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा दी जा चुकी है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि औसतन लगभग 4.25 लाख यात्री प्रतिदिन दिल्ली क्षेत्र से यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूरत, मुंबई, कोयंबटूर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और यहां तक कि चलती ट्रेनों पर भी कड़ी नज़र रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल और ज़ोन का अपना वॉर रूम है, जो सभी रेल कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करता है।

केंद्रीय मंत्री ने प्लेटफार्म संख्या 1 से होते हुए आरपीएफ नियंत्रण कक्ष का दौरा किया, जो पूरे स्टेशन पर नज़र रखता है। उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने प्राथमिक चिकित्सा कक्ष का भी दौरा किया और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों से बातचीत की।

श्री वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 16 पर पटना जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के यात्रियों से भी बातचीत की। यात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा उनके लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया (यात्री सुविधा केंद्र) का भी दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा करने से पहले रेल भवन वॉर रूम से विशेष ट्रेनों की जानकारी की भी समीक्षा की। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

भारतीय रेल त्योहारी सीजन के दौरान 12,011 विशेष ट्रेनें चला रहा है, ताकि यात्रा मांग में तेज वृद्धि को पूरा किया जा सके, जो 2024 में 7,724 ट्रेनों से उल्लेखनीय वृद्धि है।

नियमित रेल सेवाओं के अलावा, भारतीय रेल ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 4,211 विशेष रेलगाड़ियों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिनसे 1 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को सुविधा मिली है। दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए, भारतीय रेल आने वाले दिनों में लगभग 7800 और विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है।

1 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच, इन विशेष ट्रेनों द्वारा 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान की जा चुकी है। नई दिल्ली क्षेत्र में, 16 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 21.04 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 19.71 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई थी, इस प्रकार 1.33 लाख यात्रियों की वृद्धि हुई।

देश भर में यात्री सुविधाओं को मजबूती

भारतीय रेल यात्रियों की सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास कर रहा है। सभी स्टेशनों पर यात्री प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया गया है, जिसमें सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए समर्पित होल्डिंग क्षेत्र, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल ने त्योहारों के मौसम में आने वाले यात्रियों की भारी भीड़ की निगरानी और प्रबंधन के लिए रेल भवन में एक समर्पित "वॉर रूम" स्थापित किया है। यह कमांड सेंटर तत्क्षण निगरानी रखने में सक्षम है और अधिकारियों को भीड़भाड़, यात्रियों की शिकायतों और संभावित घटनाओं का त्वरित समाधान करने में सक्षम बनाता है। यह पहल केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उनके मार्गदर्शन में स्थापित की गई थी, जिसका उद्देश्य पूरे रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करना है।

श्री वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतीश कुमार, यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा करने और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने के लिए समय-समय पर रेल भवन वॉर रूम का दौरा करते हैं। आज, यह वॉर रूम पूरे भारतीय रेल नेटवर्क की निगरानी करने वाली एक प्रभावी प्रणाली के रूप में विकसित हो चुका है, जिसके रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय और मंडल स्तर पर 80 से अधिक वॉर रूम सक्रिय हैं।

इसी प्रकार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री व्यवस्थाओं पर बारीकी से निगरानी रखने, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने और यात्रियों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक छोटा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जयपुर स्टेशन पर यात्रियों को विशेष मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली (एम-यूटीएस) के माध्यम से सीधे होल्डिंग एरिया में टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे स्टेशन पर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल रही है और यात्रियों को सुविधाजनक और संतोषजनक अनुभव मिल रहा है। पश्चिम रेलवे का वडोदरा मंडल भी यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। 1 अक्टूबर से अब तक, वडोदरा मंडल द्वारा संचालित नियमित और 5 विशेष ट्रेनों के माध्यम से 30 लाख से अधिक यात्री उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल स्थित अपने गंतव्यों तक पहुंच चुके हैं। मंडल द्वारा पांच त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनके 70 से अधिक फेरे पहले ही अधिसूचित किए जा चुके हैं।

यात्री सुविधा के तहत, व्यस्त यात्रा समय के दौरान यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बीच 5,000 पैकेज्ड पेयजल बोतलें वितरित की गईं।

तंजावुर जंक्शन पर एक हालिया उदाहरण, जहां बुजुर्ग यात्रियों ने स्वच्छ सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम कक्षों का लाभ उठाया। उन्होंने विषम समय में भी आराम और सुविधा सुनिश्चित की। यात्रियों ने भी भारतीय रेलवे के अपने बेहतर यात्री अनुभव के हिस्से के रूप में विचारशील, सेवा-उन्मुख सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

भ्रामक सूचना का मुकाबला करना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना

भारतीय रेल यात्रियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चालू त्यौहारी सीजन के दौरान सतर्कता से काम कर रही है, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम भी उठा रही है।

यह संज्ञान में आया है कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल यात्रियों में अनावश्यक दहशत पैदा करने के लिए भीड़भाड़ और यात्रियों की असुविधा को दर्शाने वाली पुरानी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। इनमें से कई दृश्य बिना संदर्भ के शेयर किए जा रहे हैं, जिससे जनता को यह भ्रम हो रहा है कि ये हाल ही के हैं। आधिकारिक क्षेत्रीय हैंडल सक्रिय रूप से स्पष्टीकरण जारी कर रहे हैं और ऐसी भ्रामक सामग्री को पुराना और झूठा बता रहे हैं।

पिछले पांच दिनों में, ऐसे 40 से अधिक भ्रामक मामलों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया गया है। भ्रामक सूचना फैलाने वालों के ख़िलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा और जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए सरकार त्वरित और ठोस कार्रवाई कर रही है।

त्यौहारी सीजन के दौरान अभूतपूर्व परिचालन

यात्रियों ने भी इस वर्ष की बेहतर व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया है। कई यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस बार व्यवस्थाएं पहले से कहीं बेहतर थीं और पूरी यात्रा सुगम और आरामदायक रही।

प्रयागराज, वलसाड, विशाखापत्तनम और संबलपुर स्टेशनों पर यात्रियों ने भारतीय रेल द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा अनारक्षित डिब्बों में भी बेहतर सुविधाओं और प्रबंधन की सराहना की।

समर्पित कार्यबल एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करता है

भारतीय रेल ने लेडीज़ सर्कल इंडिया के सहयोग से, आयुष्मान परियोजना के अंतर्गत मैसूर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 2 पर अपनी तरह का पहला नर्सिंग रूम शुरू किया है। यह समर्पित सुविधा माताओं और शिशुओं को एक शांत, स्वच्छ और सुरक्षित स्थान प्रदान करती है, जिससे यात्रा के दौरान उनकी गोपनीयता, सम्मान और आराम सुनिश्चित होता है। वातानुकूलित, अच्छी रोशनी वाला और उच्च स्वच्छता मानकों के अनुरूप, यह नर्सिंग रूम लंबी यात्राओं, देर रात के कनेक्शनों या त्योहारों की भीड़ के दौरान माताओं की जरूरतों को पूरा करता है।

भारतीय रेल की हालिया उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन उत्तर भारत का पहला पूर्णतः महिला-कर्मचारी स्टेशन बन गया है, जिसने सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के नए मानक स्थापित किए हैं। नियंत्रण कक्ष से लेकर टिकट काउंटर, सुरक्षा गश्ती दल से लेकर सिग्नल केबिन तक, सभी कार्यों का प्रबंधन अब 34 सदस्यीय महिला टीम द्वारा किया जाता है। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा शुरू किया गया यह ऐतिहासिक कदम नारी शक्ति की सक्रियता को दर्शाता है, जो यात्रियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और प्रेरणादायक स्थान बनाता है।

चिकित्सा तत्परता और समर्पण का एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, पलक्कड़ जंक्शन (दक्षिण रेलवे) के मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितिन पी.एस. ने कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस के प्रस्थान से कुछ मिनट पहले प्लेटफॉर्म पर एक 24 वर्षीय यात्री के जबड़े की हड्डी उखड़ने पर उसका उपचार किया। जबड़े की आपातकालीन मैन्युअल कमी को अत्यंत सटीकता से किया गया, जिससे यात्री तुरंत ठीक हो गया और बिना किसी देरी के अपनी यात्रा जारी रख सका। इस त्वरित हस्तक्षेप की सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से सराहना की गई, जिसमें भारतीय रेलवे की चौबीसों घंटे चिकित्सा तत्परता, मौके पर प्रशिक्षित पेशेवरों और प्रमुख स्टेशनों पर आपातकालीन देखभाल के बुनियादी ढांचे को उजागर किया गया।

भारतीय रेल यात्री सुरक्षा, पारदर्शिता और सेवा उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है, साथ ही जनता से आग्रह करती है कि वे यात्रा संबंधी अद्यतन जानकारी के लिए केवल आधिकारिक चैनलों और सत्यापित सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

नेहरू द्वारा गिफ्ट की गई रॉल्स रॉयस कार बनी शाही दंपती के वैवाहिक विवाद का कारण, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

(जीएनएस)। दिवाली और छठ पर यात्रियों विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले निवासियों का एक प्रमुख त्यौहार है। दिवाली और छठ की मौके पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। 1 अक्टूबर से अभी तक वडोदरा मंडल द्वारा परिचालित नियमित एवं 5 स्पेशल ट्रेनों के जरिये अभी तक 30 लाख से ज्यादा यात्रिओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपने गंतव्य तक यात्रा की है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने आज आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि वडोदरा मंडल का यह प्रयास है कि छठ के दौरान यात्रिओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे खुशी खुशी अपने परिवार के साथ त्यौहार मना सके। इसके लिए वडोदरा मंडल द्वारा पांच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जिसके 70 से ज्यादा ट्रिप नोटिफ़िएड किये जा चुके है। वडोदरा स्टेशन से यात्रियों की सुविधा के लिए मऊ, कोलकाता और गोरखपुर के लिए आरक्षित ट्रेनें चलायी जा रही है, तो वहीं प्रतापनगर से दो अनारक्षित ट्रेनें कटिहार और जयनगर के लिए चलायी जा रही हैं। यात्रिओं तक स्पेशल ट्रेनों की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पहुचायी जा रही है। स्टेशन पर पर्याप्त जगह पर स्पेशल ट्रेनों की सूची लगाई गई है और इसकी उद्घोषणाएं PA सिस्टम पर लगातार की जा रही है।

श्री भडके ने बताया कि यात्रिओं की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट के विशेष प्रयास किये गए है। इसके लिए वडोदरा स्टेशन पर 350 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल का एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है,जहां यात्री ट्रेन आने से पहले आराम कर सकते हैं होल्डिंग एरिया में सीटिंग व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पर्याप्त लाइटिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं दी गई है। मंडल के अंकलेश्वर, भरुच, वडोदरा, छायापुरी और गोधरा में यात्रिओं की सहायता के लिए राउंड द क्लॉक टिकट चेकिंग और रेल सुरक्षा बल के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गयी है, जिससे यात्रियों को कोई असुविधा न हो। मंडल कार्यालय में वॉर रूम स्थापित किया गया है, जहाँ उच्च अधिकारिओं द्वारा यात्रिओं की भीड़, उनकी सुरक्षा और स्टेशन पर सुविधाओं की निगरानी की जा रही है। टिकटिंग एवं यात्री सुरक्षा में किये गए प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने आगे बताया कि यात्री को टिकट लेने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रतापनगर एवं वडोदरा स्टेशन पर एक्स्ट्रा बुकिंग काउंटर खोले गए हैं। यात्रिओं के लिए टिकटिंग को आसान करते हुए टिकट चेकर द्वारा मोबाइल टिकटिंग की भी व्यवस्था की गयी है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे द्वारा यात्रा की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान प्रभावी समन्वय बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ड्यूटी के दौरान निर्बाध डिजिटल संचार के लिए वॉकी-टॉकी और बॉडी वॉर्न कैमरा का उपयोग कर रहें हैं। त्योहार के समय यात्री अपने परिजनों से मिलने रेल सेवाओं को लाभ उठा रहे हैं। पश्चिम रेलवे का वड़ोदरा मंडल की आप सभी से अपील है टिकट खरीद कर यात्रा करें और स्टेशन पर उपलब्ध रेलवे कर्मचारियों के दिशा निर्देशों का पालन करें। पश्चिम रेलवे छठ पर यात्रिओं के सफर को सुविधाजनक और आरामदायक बनाए के लिए प्रतिबध्द है।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती और मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा छठ पूजा त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इस स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09483/09484 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (8 फेरे)

ट्रेन संख्या 09483 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल 22 अक्टूबर 2025 से 25 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन साबरमती से 23.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 07.30 बजे मुजफ्फरपुर पहुचेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09484 मुजफ्फरपुर-साबरमती अनारक्षित स्पेशल 24 अक्टूबर 2025 से 27 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन मुजफ्फरपुर से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 22.00 बजे साबरमती पहुचेंगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जं., अजमेर, जयपुर, ईदगाह, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में सभी अनारक्षित श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।